e-content I IV Unit Alka Mam

AUGUST '17 SATURDAY 12 WK. 32 DAY 224-141

(नई तालीम) के प्रतिमान एवं उपागम

कार्य का अर्थ एवं संप्रत्यय :

प्रतिमान – Model

गाँधी जी ने कहा था कि शिक्षा से मेरा अभिप्राय है, "बालक एवं मनुष्य के शरीर, मस्तिष्क और आत्मा के सर्वोत्तम गुणों का चतुर्मुखी विकास।" उनका मानना था मनुष्य न तो स्थूल शरीर है, न कोरी बुद्धि है और न ही केवल हृदय या आत्मा है। सम्पूर्ण मनुष्य के निर्माण के लिए तीनों के उचित समन्वय की आवश्यकता होती है और यही शिक्षा की सच्ची व्यवस्था है। उनकी दृष्टि में (शरीर) शिक्षा एक बालक के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास का साधन है, जो उसे पूर्ण मनुष्य बनाये। अपनी शिक्षा संबंधी अवधारणा के आधार पर उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य बालक का शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक, सांस्कृतिक, चारित्रिक, सामाजिक, आत्मिक, आध्यात्मिक और जीविकोपार्जन की क्षमता का विकास होना चाहिए। उनके अनुसार शिक्षा समग्र, सर्वांगीण एवं संतुलित विकास करने वाली होनी चाहिए। नई तालीम के बारे में उनके विचार उनकी पत्रिकाओं के द्वारा 1937 में सामने आए थे। और 1948 तक गाँधी जी अक्सर शिक्षा से सम्बन्ध सवालों पर लिखते रहते थे। इस विषय पर अपने विचारों की प्रथम घोषणा उन्होंने 31 जुलाई 1937 के हरिजन में की थी। और इस बारे में औरों के विचार आमंत्रित करके उन्होंने एक संवाद भी स्थापित करना चाहा था।

AUGUST '17

13 | SUNDAY

WK. 32 DAY 225-140

THINGS TO DO

गाँधी जी के नई तालीम के प्रमुख बिन्दु

गाँधी जी के नई तालीम प्रतिमान के प्रमुख बिन्दु निम्न प्रकार है।

नई तालीम के उद्देश्य –

1. लोकतंत्रीय समाज की स्थापना
2. आर्थिक उन्नति
3. नैतिक विकास

नई तालीम के आधार –

1. वैयक्तिक आधार।
2. सामाजिक आधार।
3. आर्थिक आधार।
4. सांस्कृतिक आधार।
5. मनोवैज्ञानिक आधार।
6. नैतिक आधार।

नई तालीम के प्रमुख सिद्धान्त

1. सात वर्षों की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा।
2. मातृभाषा द्वारा शिक्षा।
3. उद्योग - केन्द्रित शिक्षा।
4. समवायी शिक्षा।
5. स्वावलम्बी शिक्षा।

Notes

नई तालीम का पाठ्यक्रम –

1. भावी जीवन में किये जाने वाले धंधे - रोजगार के लिए छात्रों को तैयार करना पाठ्यक्रम का उद्देश्य है।

Scanned with CamScanner

M	T	W	T	F	S	S
				1	2	3
4	5	6	7	8	9	10
11	12	13	14	15	16	17
18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	

SEP '17

THINGS TO DO

2. बेहतर जीवन का प्रशिक्षण भी पाठ्यक्रम का अंग है।
3. भारत एक कृषि प्रधान देश है, इसलिए पाठ्यक्रम में कृषि और हस्तकलाओं को पर्याप्त स्थान दिया गया है।
4. पाठ्यक्रम में बालक के शारीरिक, मानसिक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास के प्रावधानों का समावेश किया गया है।
5. पाठ्यक्रम सहगामी क्रियाओं में सामुदायिक क्रियाओं को महत्व दिया गया है।
6. पाठ्यक्रम में विभिन्न विषय उनकी उपयोगिता के आधार पर सम्मिलित किये गये हैं।
7. बालक एवं बालिकाओं की अभिरुचियों और रुचियों को ध्यान रखकर मनोवैज्ञानिक सिद्धान्तों के आधार पर पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है।

नई तालीम में निम्नलिखित विषयों को पाठ्यक्रम में रखा गया है —
1. बुनियादी शिल्प
2. मातृभाषा
3. गणित
4. सामाजिक अध्ययन
5. सामान्य विज्ञान
6. चित्रकला
7. संगीत

(Independence Day) Tuesday 15

नई तालीम की शिक्षण विधियाँ

व्यवसाय और क्रिया प्रधान पाठ्यक्रम होने के कारण नई तालीम में आधुनिक और प्राचीन

Scanned with CamScanner

AUGUST '17

16 WEDNESDAY

WK. 33 DAY 228-137

AUG '17	M	T	W	T	F	S	S
		1	2	3	4	5	6
	7	8	9	10	11	12	13
	14	15	16	17	18	19	20
	21	22	23	24	25	26	27
	28	29	30	31			

THINGS TO DO

दोनों प्रकार की शिक्षण विधियों को महत्व दिया गया है। ये शिक्षण विधियाँ है :

9 1. क्रिया विधि 2. अनुभव द्वारा सीखना

3. अनुकरण विधि 4. मौखिक विधि

10 5. प्रत्यक्ष विधि 6. सहसम्बन्ध विधि

7. शिल्प केन्द्रित विधि 8. खेल विधि

11 9. श्रवण-मनन-निदिध्यासन विधि 10. स्वाध्याय विधि

12

1

2

3